RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 19 APRIL TO 25 APRIL 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 30 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

चौथी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बना 'रुपया' Page 3

रेलवे कबाड़ बेचकर कर रहा छप्परफाड़ कमाई, 11,645 करोड़ उठाए Page 4

कठोर प्लास्टिक को नष्ट कर सकती है Fungi Page 5

editoria!

भारत-अमेरिका व्यापार

बीते वित्त वर्ष 2022-23 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 128.55 अरब डॉलर रहा. वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 119.5 अरब डॉलर और 2020-21 में 80.51 अरब डॉलर रहा था. इस 7.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है. बढ़ोतरी का यह रूझान दोनों देशों के गहन होते आर्थिक संबंध को रेखांकित करता है. भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़त के साथ आयात और निर्यात भी बढ़ते जा रहे हैं. पिछले वित्त वर्ष में अमेरिका को हुए निर्यात में जहां 2.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं आयात लगभग 16 प्रतिशत बढ़ा. उल्लेखनीय है कि अमेरिका उन कुछ देशों में है, जहां से हमारे आयात से अधिक निर्यात होता है. वर्ष 2022-23 में अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष 28 अरब डॉलर रहा. इतना ही नहीं, विदेशों में कार्यरत भारतीयों द्वारा पैसे भेजने के मामले में भी अमेरिका पहले पायदान पर है. बीते साल विश्व बैंक ने अनुमान लगाया था कि 2022 में भारतीय दूसरे देशों से भारत को 100 अरब डॉलर के आसपास भेज सकते हैं. वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर बताया गया था कि संयुक्त अरब अमीरात को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका 23.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ सबसे ऊपर आ गया है. अब भारत से द्विपक्षीय व्यापार के मामले में चीन दूसरे स्थान पर आ गया है. इसका मुख्य कारण यह रहा कि चीन से हमारा आयात 4. 16 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन नियत में लगभग 28 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आयी. व्यापार संतुलन भी चीन के पक्ष में है और 2022-23 में द्विपक्षीय व्यापार घाटा 83.2 अरब डॉलर रहा, जो 2021-22 में 72.91 अरब डॉलर था. बहरहाल, विशेषज्ञों का आकलन है कि आगामी महीनों में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में बढ़ोतरी बरकरार रहेगी. कीमती पत्थरों और आभूषणों के साथ-साथ दवाओं और इंजीनियरिंग उपकरणों का निर्यात बढ़ना बहुत उत्साहजनक है. अमेरिका में जेनेरिक दवाओं की कुल मांग का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा भारतीय नियत से पूरा किया जाता है. भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है तथा हमारी बाजार अर्थव्यवस्था सबसे अधिक गति से बढ़ रही है. यह अमेरिका और अन्य देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण व्यापारिक अवसर है. भारत ने आत्मनिर्भर अभियान, मेक इन इंडिया, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना जैसी अनेक पहलों से उत्पादन भी बढ़ रहा है तथा गुणवत्ता भी बेहतर हो रही है.

ऑनलाइन गैंबलिंग रोकने के लिए जुआ अधिनियम 2023 बनेगा

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर सख्ती बढ़ेगी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में तेजी से ऑनलाइन गेम खेलकर पैसे कमाने की होड़ बढ़ रही है। ऑनलाइन क्रिकेट समेत अन्य गेम खिलाने वाली कंपनियों की कस्टमर ग्रोथ में भी इजाफा हुआ है। ऑनलाइन गेमिंग में सट्टेबाजी या दांव लगाने संबंधी कार्यों को रोकने और गेमिंग कंपनियों पर निगरानी के लिए केंद्र सरकार ने बीते सप्ताह नकेल कसने के लिए स्व-नियामक संगठनों के गठन की घोषणा की है। इस बीच मध्य प्रदेश सरकार ने ऑनलाइन गैंबलिंग के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए जुआ अधिनियम 2023 बनाने का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार ने 8 अप्रैल को ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर निगरानी बढ़ाते हुए कई स्व-नियामक संगठनों (SRO) के गठन की की घोषणा की है। केंद्र ने ऑनलाइन गेमिंग अनुमति संबंधी सभी अधिकार भी स्व-नियामक संगठनों को दे दिए हैं। सरकार कई स्व-नियामक संगठनों (SRO) की नियुक्ति करेगी। स्व-नियामक संगठनों में गेमिंग इंडस्ट्री के प्रतिनिधि, शिक्षाविद, बाल विशेषज्ञ, मनोविज्ञान विशेषज्ञ आदि लोग शामिल होंगे, जो ऑनलाइन खेलों की निगरानी और उन्हें अनुमति देने के लिए जिम्मेदार होंगे। इसके साथ ही मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमर्स के लिए केवाईसी वेरीफिकेशन मैंडेटरी कर दिया है।

ऑनलाइन गैंबलिंग को रोकने के लिए मध्य प्रदेश जुआ अधिनियम 2023 बनेगा

अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी ऑनलाइन गैंबलिंग को रोकने के लिए सख्त कदम उठाया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश में वर्तमान जुआ अधिनियम के स्थान पर मध्य प्रदेश जुआ अधिनियम 2023 बनाया जाएगा, जिसमें ऑनलाइन गैंबलिंग के खिलाफ पर्याप्त प्रावधान शामिल किए जाएंगे। बता दें कि यूजर्स की ऑनलाइन हिस्सेदारी बढ़ने पर गेमिंग कंपनियां भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उतर आई हैं और लोगों को गेम के जरिए मोटी रकम जीतने का दावा करती हैं। ऐसे में गैंबलिंग, ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा मिलने की आशंका के चलते केंद्र और राज्य सरकार सख्त कदम उठा रही हैं।

ठगी करने वाली चिटफंड कंपनियों से पैसा वापस दिलाने के लिए स्पेशल सेल गठित

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि चिटफंड कंपनियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी है और निवेशकों के पैसे लौटाने की कार्रवाई के निगरानी के लिए पुलिस मुख्यालय में एडीजी के नेतृत्व में स्पेशल सेल का गठन किया जा रहा है ताकि इनके खिलाफ कार्रवाई हो सके। बता दें कि मध्यप्रदेश में कुछ चिटफंड कंपनियों ने लोगों को मोटी कमाई का लालच देकर रकम निवेश कराई और ठगी कर ली। चिटफंड कंपनियों के जरिए ठगी के शिकार लोगों को राशि लौटाने के लिए एमपी सरकार तेज गति से कार्रवाई के मोड में है।

घरेलू कच्चे तेल पर फिर लगेगा 6400 रुपये प्रति टन विंडफॉल टैक्स

4 अप्रैल को ही किया गया था खत्म

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की नवीनतम अधिसूचना के अनुसार, डीजल के निर्यात पर उपकर को हटा दिया गया है। इसे 0.5 रुपये प्रति लीटर की दर से शून्य कर दिया गया है। इस बीच, जेट ईंधन या विमानन टरबाइन ईंधन (ATF) के निर्यात पर अप्रत्याशित कर भी शून्य ही रखा गया है। केंद्र ने घरेलू रिफाइनरियों और तेल उत्पादकों के लाभ पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स या अप्रत्याशित लाभ कर में संशोधन किया है। घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चा तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर 19 अप्रैल 2023 से बढ़ाकर फिर से 6,400 रुपये प्रति टन कर दिया है। बता दें कि बीते चार अप्रैल को सरकार ने विंडफॉल टैक्स को समाप्त कर शून्य कर दिया गया था। सरकार ने चार अप्रैल को देश में उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 3,500 रुपये प्रति टन से घटाकर शून्य कर दिया था।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की नवीनतम अधिसूचना के अनुसार, डीजल के निर्यात पर उपकर को हटा दिया गया है। इसे 0.5 रुपये प्रति लीटर की दर से शून्य कर दिया गया है। इस बीच, जेट ईंधन या विमानन टरबाइन ईंधन (ATF) के निर्यात पर अप्रत्याशित कर भी शून्य ही रखा गया है। साथ ही, सरकार पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क भी शून्य कर दिया है। इसका मतलब है कि अप्रत्याशित कर केवल घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर पर ही लगेगा। एक जुलाई, 2022 को केंद्र ने एटीएफ, पेट्रोल और डीजल पर निर्यात कर लगाने का फैसला किया था। इस दौरान घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर 23,230 रुपये प्रति टन के हिसाब से विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

अलग पंजीकृत इंट्रा फर्म सेवा पर जीएसटी

एजेंसी

तमिलनाडु के अथॉरिटी आफ एडवांस रूलिंग (एएआर) ने कहा है कि इंट्रा फर्म सेवाओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगेगा, अगर दोनों फर्मों का अलग अलग पंजीकरण है। ऐसी स्थिति में अगर शाखा कार्यालय अपने मुख्यालय को सेवाएं देता है या इसके उलट मुख्यालय के कर्मचारी शाखा कार्यालय को सेवाएं देते हैं, तो उस पर जीएसटी लगेगा। ऐसी स्थिति में भी जीएसटी लगेगा, अगर कर्मचारी पूरी कंपनी के लिए नियुक्त किया गया है। सामान्यतया अलग अलग राज्यों में होने पर दो कार्यालयों का अलग पंजीकरण होता है। केपीएमजी में अप्रत्यक्ष कर के राष्ट्रीय प्रमुख अभिषेक जैन ने कहा कि इस तरह की सेवाओं पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। उन्होंने कहा कि इस नियम ने याचिकाओं का दरवाजा खोल दिया है। एएआर ने प्रोफीसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सुनवाई के बाद यह फैसला दिया है।

तेल के भंडार पर बैठे सऊदी अरब और UAE पर हुआ चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी

खाड़ी के तेल समृद्ध देश सऊदी अरब और यूएई रूसी तेल को भारी मात्रा में खरीद रहे हैं। ये रूसी तेल को घरेलू खपत में इस्तेमाल करने के अलावा उसे दूसरे देशों को बेच भी रहे हैं। सऊदी और यूएई के तेल भंडारण केंद्र रूसी तेल का भंडारण भी कर रहे हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से भारत ने रूस से तेल का आयात बढ़ाया है। यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस को पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है जिसकी वजह से उसे सस्ती कीमतों पर तेल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है। भारत को रूस से सस्ता तेल खरीदने की वजह से अमेरिका समेत तमाम देशों की आलोचना भी झेलनी पड़ी। हालांकि, अब एक रिपोर्ट में सामने आया है कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी रूसी तेल उत्पादों को रियायती दरों पर खरीद रहे हैं और उन्हें अपनी घरेलू खपत के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसी रिपोर्ट्स आई हैं कि खाड़ी के ये तेल समृद्ध देश रूस से तेल खरीदकर उसे पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों को निर्यात भी कर रहे है। सऊदी और यूएई रूसी तेल और ईंधन के लिए प्रमुख व्यापार और भंडारण केंद्र बनकर उभरे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी और यूएई रूसी कच्चे तेल को रियायती दरों पर खरीदकर उसे अपने देश में रिफाइन कर रहे हैं। सऊदी और यूएई रूसी तेल को घरेलू खपत में इस्तेमाल कर रहे हैं जबकि अपने तेल को बाजार दरों पर निर्यात कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी और यूएई रूसी नाफ्था तेल को 60 डॉलर और रूसी डीजल को 25 डॉलर प्रति टन की छूट पर खरीद रहे हैं।

रूस से तेल खरीद दूसरे देशों को बेच रहे खाड़ी देश

खाड़ी के दोनों देश, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात, रूसी तेल और ईंधन के लिए प्रमुख व्यापार और भंडारण केंद्र के रूप में उभरे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएई की कंपनियां रूसी ऊर्जा का आयात कर उसे पाकिस्तान, श्रीलंका या पूर्वी अफ्रीका को बेच रही हैं। ख्ज्ञ का डेटा दिखाता है कि पिछले साल यूएई ने रूस से 6 करोड़ बैरल तेल खरीदा लेकिन अब यह खरीद बढ़कर तीन गुनी हो गई है। आर्गस मीडिया के डेटा के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात का मुख्य तेल भंडारण केंद्र फुजैराह में रूस का 10ज्ञ से अधिक तेल संग्रहित है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से पहले जहां सऊदी अरब रूस से तेल आयात नहीं करता था, अब वो एक दिन में एक लाख बैरल रूसी तेल आयात कर रहा है। यानी वो साल में लगभग 3.6 करोड़ बैरल रूसी तेल की खरीद कर रहा है।

अमेरिका ने जताई है आपत्ति

अमेरिकी अधिकारियों ने रूस और खाड़ी देशों के बीच बढ़ते संबंधों पर आपत्ति जताई है। लेकिन रूस अपने कच्चे तेल (यूराल) को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड से 30ज्ञ से अधिक की छूट पर बेच रहा है जिससे खाड़ी देश अमेरिका की नाराजगी को नजरअंदाज कर तेल की खरीद कर रहे हैं।

यूक्रेन पर आक्रमण के बाद अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। ये देश रूसी तेल की खरीद को सीमित या बंद कर चुके हैं। रूसी तेल पर एक प्राइस कैप भी लगाया गया है जिसके तहत रूसी तेल को 60 डॉलर प्रति बैरल से अधिक की दर पर खरीद की मनाही है। हालांकि, रूस पश्चिम के इन प्रतिबंधों को नाकाम करने में पूरी तरह सक्षम रहा है। 2022 की तिमाही में जहां रूस के समुद्री कच्चे तेल का निर्यात 33.5 लाख बैरल था वहीं, 2023 की पहली तिमाही में यह बढ़कर एक दिन में 35 लाख बैरल हो गया है।

भारत चीन मिलकर खरीद रहे 90 फीसद रूसी तेल

डेटा के मुताबिक, भारत और चीन मिलकर रूसी तेल निर्यात का 90ज्ञ हिस्सा खरीद रहे हैं। रूस जो तेल यूरोप को निर्यात करता था, प्रतिबंधों के बाद से वो तेल अब भारत और चीन को मिल रहा है। प्रत्येक देश एक दिन में 15 लाख बैरल से अधिक की खरीद कर रहे हैं।

कोरोना वायरस का वोल्टेज कमजोर पड़ा

7-8 दिन में नेगेटिव हो रहे हैं इस बार पॉजिटिव मरीज

लखनऊ। एजेंसी

कोरोना संक्रमितों के ठीक होने में छह से सात दिन समय लग रहा है। 95 फीसदी संक्रमितों में कोविड के लक्षण भी नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के वैरिएंट में कोई खास अंतर नहीं मिला है।कोरोना संक्रमितों के ठीक होने में छह से सात दिन समय लग रहा है। 95 फीसदी संक्रमितों में कोविड के लक्षण भी नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के वैरिएंट में कोई खास अंतर नहीं मिला है। वायरस लोड अधिक होता। उनके ठीक होने में कुछ वक्त लग सकता है। बुधवार को 97 लोग वायरस की चपेट में आ गए हैं। कोरोना वायरस को मात देने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। बुधवार को 85 मरीजों ने वायरस को मात देने में कामयाबी पाई है। मौजूदा समय में 26 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं।

केजीएमयू मेडिसिन विभाग के डॉ. केके सावलानी के मुताबिक ज्यादातर संक्रमित दोबारा कोविड की जांच नहीं कराते हैं, लिहाजा संक्रमितों के ठीक होने में लगने वाले वक्त का सही आंकलन कर पाना कठिन है। चार से पांच दिन में लक्षण तो जा रहे हैं लेकिन खांसी, थकान, कमजोरी जैसी परेशानी का सामना मरीजों को करना पड़ रहा है। अलीगंज में 19 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। चिनहट में 17 लोग संक्रमित मिले हैं। मंगलवार को एक और मरीज की कोरोना वायरस ने जान ले ली है। लगातार डेढ़ सप्ताह के भीतर चार मरीजों की मौत से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। चिनहट निवासी 46 साल की महिला को सांस लेने में तकलीफ हुई। देखते-देखते ही उसकी सांसें उखड़ने लगी। आनन-फानन महिला को गंभीर अवस्था में स्थानीय अस्पताल में दिखाया, जहां डॉक्टरों ने कोरोना संक्रमण की आशंका जताई। इसके बाद नौ अप्रैल को उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर केजीएमयू में भर्ती कराया गया। कोरोना पॉजिटिव मिली। इलाज के दौरान सांसें थम गईं।

थोक महंगाई के मोर्चे में बड़ी राहत, लगातार 10वें महीने में गिरावट जारी

मार्च में घटकर 1.34% हुई

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में थोक महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत मिली है। लगातार 10वें महीने में थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 1.34 प्रतिशत हो गई है। गेहूं और दाल, फ्यूल और पॉवर में थोक महंगाई दर में भारी गिरावट आई है। बता दें कि मार्च में खुदरा महंगाई दर में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को भारत का थोक मूल्य सूचकांक (ॅइ्ब) आधारित मुद्रास्फीति दर के मार्च 2023 महीने के आंकड़े जारी कर दिए हैं। आंकड़ों के अनुसार मार्च में मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 1.34 प्रतिशत हो गई है। यह पहले यानी फरवरी महीने में फरवरी में 3.85 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

मार्च लगातार 10वां महीना है जब थोक मूल्य सूचकांक (ॅइ्ब) आधारित मुद्रास्फीति में गिरावट आई है। मार्च 2023 में थोक मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से बेसिक मेटल्स, फूड प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल्स, नॉन फूड प्रोडक्ट्स, खनिजों, रबर और प्लास्टिक प्रोडक्ट, क्रूड ऑयल और नेचुरल गैस, पेपर प्रोडक्ट्स की कीमतों में गिरावट के कारण हुई है।

आंकड़ों के अनुसार मार्च 2023 में गेहूं और दालों में थोक मुद्रास्फीति क्रमशः 9.16 प्रतिशत और 3.03 प्रतिशत दर्ज की गई है. जबकि सब्जियों में यह (-) 2.22 प्रतिशत रही है और तिलहन में मुद्रास्फीति (-)15.05 प्रतिशत दर्ज की गई है. इसी तरह फ्यूल और पॉवर बास्केट मुद्रास्फीति घटकर 8.96 प्रतिशत हो गई है, जबकि पिछले महीने फरवरी में यह 14.82 प्रतिशत थी।

मार्च 2023 की खुदरा महंगाई दर में भी गिरावट

भारत में सीपीआई-आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मार्च 2023 में वार्षिक आधार पर 5.66 प्रतिशत तक कम हो गई है। मार्च 2022 में रिटेल महंगाई दर 6.95 फीसदी थी। मार्च 2023 लगातार 7वां महीना रहा है जब रिटेल महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स (सीएफपीआई) फरवरी 2023 में 5.95 प्रतिशत था, जो अब घटकर 4.79 प्रतिशत हो गया। जबकि, पिछले साल मार्च 2022 में यह 7.68 प्रतिशत था। मार्च 2023 में ग्रामीण महंगाई दर 5.51 प्रतिशत रही है, जबकि शहरी मुद्रास्फीति 5.89 प्रतिशत रही है. खुदरा मुद्रास्फीति लगातार तीन तिमाहियों के लिए आरबीआई के 6 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर थी।

बांस आधारित जैव-रिफाइनरी की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एनटीपीसी ने समझौता किया

नई दिल्ली। एजेंसी

इंडियन ऑयल की पानीपत रिफाइनरी में ग्रीन जेट फ्यूल बनाया जाएगा। इसके लिए करीब तीन हजार करोड़ का प्लांट रिफाइनरी में लगाया जाएगा। प्लांट में 50 प्रतिशत शेयर इंडियन ऑयल का होगा और 25 प्रतिशत शेयर अमेरिका की कंपनी लैंजाजेट इंक का होगा। बाकी 25 प्रतिशत शेयर एयरलाइंस कंपनी के समूह का होगा। प्लांट में एक साल में 85 हजार मीट्रिक टन फ्यूल उत्पादन की तैयारी है। उम्मीद है कि यहां 2025 से पहले फ्यूल तैयार किया जा सकेगा।

दरअसल यूरोपीय देशों में 2025 से सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) प्रयोग करने वाले जहाज लैंड हो सकेंगे। ऐसे में एसएएफ बनाने के लिए इंडियन ऑयल की पानीपत रिफाइनरी आगे आई है। इसके लिए रिफाइनरी में ही प्लांट लगाने का फैसला लिया गया है। प्लांट की अनुमानित राशि करीब तीन हजार करोड़ रुपये आंकी गई हैं। इसको लेकर तैयारी कर ली गई है। जल्द ही प्लांट का काम शुरू किया जाएगा। रिफाइनरी के अंदर ही यह प्लांट लगाया जाएगा। रिफाइनरी को बाहर जमीन नहीं लेनी पड़ेगी।

पहले से एथनॉल बना रही रिफाइनरी

पानीपत रिफाइनरी एथनॉल ऑयल पहले से ही बना रही है। अब एथनॉल में पांच प्रतिशत अलग से कैमिकल मिलाया जाएगा। इससे सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) बनाया जाएगा। रिफाइनरी के एक अधिकारी ने बताया कि इसको जहाज के ऑयल में प्रयोग किया जाएगा। इससे कार्बन में 40 से 50 प्रतिशत की कमी आएगी। अधिकारियों के अनुसार, देश में एयरक्राफ्ट ऑयल की मांग बढ़ रही है। इसको देखते हुए इंडियन ऑयल कंपनी आगे आई है। इसमें इंडियन ऑयल 15 सौ करोड़ और अमेरिका की कंपनी 750 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एयरलाइंस का निवेश अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

चौथी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बना 'रुपया'

विश्व स्तर पर एयरपोर्ट के करंसी एक्सचेज काउटर कर रहे स्वीकार

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय मुद्रा 'रुपया' तेजी से इंटरनेशनल करेंसी बनने की ओर बढ़ रहा है। डॉलर, पाउंड और यूरो के बाद विश्व स्तर पर हवाई अड्डों के मुद्रा विनिमय काउंटरों पर स्वीकार किए जाने के बाद भारतीय रुपया चौथी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बन गया है। इस समय विश्व के कुल 17 ऐसे देश हैं, जो भारतीय मुद्रा में व्यापार कर रहे हैं। इतना ही नहीं, फिलहाल जर्मनी, इजरायल जैसे 64 विकसित देशों ने रुपये के जरिए कारोबार करने में दिलचस्पी जताई है।

विश्व के 17 देश भारतीय करेंसी में फिलहाल व्यापार करते हैं। इनमें यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, रूस, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, म्यांमार, बोत्सवाना, इजराइल, फिजी, ओमान, जर्मनी, केन्या, गुयाना, मॉरीशस, सेशेल्स और तंजानिया शामिल है। यदि भारतीय मुद्रा 'रुपया' विश्व के 30 से अधिक देशों के साथ व्यापार करता है तो, इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मुद्रा घोषित किया जा सकता है। यूरोपीय यूनियन में शामिल जर्मनी पहली बार एशिया की मुद्रा यानी भारतीय मुद्रा 'रुपया' के साथ व्यापार करने के लिए आगे आया है। जर्मनी के साथ ही इजरायल ने भी भारतीय मुद्रा में कारोबार करने की रुचि जाहिर करते हुए बातचीत शुरू कर दी है।

वोस्ट्रो अकाउंट का क्या मतलब है

वोस्ट्रो एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है 'आपका' होता है। ऐसे में वोस्ट्रो अकाउंट का मतलब है 'आपका खाता' है। आसान शब्दों में समझे तो, जैसे कि एएँ बैंक का वोस्ट्रो अकाउंट भारत में एँ द्वारा संभाला जा रहा है। रुपये में व्यापार को आसान बनाने के लिए 12 भारतीय बैंक शाखाओं ने विदेशों में भागीदार व्यापारिक बैंकों के साथ विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं। इस भारतीय बैंकों की लिस्ट में भारतीय स्टेट बैंक, यूको बैंक, यस बैंक, एचडीएफसी बैंक, केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडसइंड बैंक, और आईडीबीआई बैंक शामिल हैं। स्पेशल रूपी वोस्ट्रो अकाउंट यानी ईंई की प्रक्रिया जुलाई, 2022 में शुरू की गई थी, जब RBI ने भारतीय रुपये में सीमा पार वाणिज्यिक लेन-देन के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रकाशित किए थे। एक भारतीय व्यापारी जब किसी विदेशी व्यापारी को भारतीय मुद्रा 'रुपया' में भुगतान करता है तो, इस राशि को वोस्ट्रो अकाउंट में जमा किया जाता है।

रूस के तीन शीर्ष बैंक

ठीक इसी तरह से जब कोई विदेशी व्यापारी किसी भारतीय व्यापारी को अपनी करेंसी में भुगतान करेगा तो, वो वोस्ट्रो अकाउंट में जमा होगा और भारतीय व्यापारी उसे इंडियन करेंसी में प्राप्त करेगा। आपको बता दें, भारतीय रिजर्व बैंक से SRVAs के लिए सबसे पहले अनुमति लेने वाले रूस के तीन शीर्ष बैंक SbeRank, VTB Bank, और Gazprombank है। फरवरी में, वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि रोसबैंक, टिंकॉफ बैंक, सेंट्रो क्रेडिट बैंक और मॉस्को के क्रेडिट बैंक सहित 20 रूसी बैंकों ने भारत में भागीदार बैंकों के साथ विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) खोले हैं।

चिप के लिए चीन पर निर्भरता होगी खत्म, भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण में तेजी आई

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका और भारत के स्थानीय सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा देने के बाद चीन का चिप आयात 2023 की पहली तिमाही में 23 प्रतिशत गिर गया है। मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम्स के आंकड़ों के मुताबिक, चीन ने इस साल जनवरी से मार्च के बीच 108.2 अरब इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) का आयात किया, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 22.9 फीसदी कम है। आंकड़ों के मुताबिक, चिप आयात का कुल मूल्य पिछले साल के 107.1 अरब डॉलर से 26.7 फीसदी घटकर 78.5 अरब डॉलर रह गया। सीमा शुल्क डेटा का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया, 2023 के पहले तीन महीनों में चीन का आईसी निर्यात साल-दर-साल 13.5 फीसदी गिरकर 60.9 अरब यूनिट हो गया, जबकि एक साल पहले इसमें 4.6 फीसदी की गिरावट आई थी। निर्यात का कुल मूल्य 17.6 फीसदी गिरा। यह महत्वपूर्ण गिरावट दर्शाती है कि कैसे भू-राजनीतिक तनाव और चीन पर बढ़ते अमेरिकी प्रतिबंधों ने देश और बाकी दुनिया के बीच सेमीकंडक्टर कारोबार को बाधित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल ही में पिछले साल चिप्स और विज्ञान अधिनियम को लागू किया था, जो अमेरिका को देश में अधिक चिप निर्माण को आकर्षित करने के लिए सक्षम बनाता है। इस बीच, भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्च रिंग के क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए 76,000 करोड़ रुपये (10 अरब डॉलर) को मंजूरी दी। भारत और अमेरिका ने पिछले महीने भारत-अमेरिका वाणिज्यिक संवाद के ढांचे के तहत अर्धचालक आपूर्ति श्रृंखला और नवाचार साझेदारी स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

एक मई से बदल रहा GST का नियम इन बिजनस पर होगा लागू, जानिए क्या होने जा रहा बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में अगले महीने यानी मई से जीएसटी के नियम में बदलाव होने जा रहा है। गुड्स एंड सर्विस टैक्स को लेकर बड़ा अपडेट आया है। नया नियम 1 मई, 2023 से लागू होगा। दरअसल जीएसटी नेटवर्क (GSTN) ट्रांजेक्शन को लेकर नियमों में बदलाव होने जा रहा है। उएऊ~ ने कहा है कि 1 मई से किसी भी ट्रांजेक्शन की रसीद इनवॉयस रजिस्ट्रेशन पोर्टल (IRP) पर 7 दिनों के भीतर अपलोड करना जरूरी होगा। इसके बाद ट्रांजेक्शन की रसीद इनवॉयस रजिस्ट्रेशन पोर्टल (IRP) पर अपलोड नहीं की जा सकेगी।

इन बिजनस पर लागू होगा नियम

गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी में यह बदलाव उन कंपनियों के लिए है, जिनका टर्नओवर 100 करोड़ रुपये या इससे ज्यादा है। अभी ऐसे मामलों में कंपनियों को करंट डेट पर इलेक्ट्रॉनिक इनवॉयस को आईआरपी पर अपलोड करना होता है। इसका मतलब हुआ कि इनवॉयस कभी भी जेनरेट हुआ हो, उससे रिपोर्ट करने की तारीख पर कोई फर्क नहीं पड़ता है।

जीएसटी नेटवर्क के मुताबिक, समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तय टर्नओवर के दायरे में आने वाले करदाताओं को रिपोर्टिंग की तारीख पर सात दिन से ज्यादा पुराने इनवॉयसेज रिपोर्ट करने की सुविधा नहीं मिलेगी। सभी पात्र करदाताओं को इस बदलाव का पालन करने के लिए पर्याप्त समय मिले, इसी कारण सरकार ने बदलाव को 1 मई से लागू करने का फैसला लिया है।

इनपुट टैक्स क्रेडिट का नहीं मिलेगा लाभ

जीएसटी नियम के मुताबिक, अगर कोई इनवॉयस IRP पर अपलोड नहीं होता है तो उस पर कारोबारी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का फायदा नहीं उठा पाएंगे। बता दें कि ITC किसी प्रोडक्ट के कच्चे माल और फाइनल प्रोडक्ट के बीच के अंतर को वापस पाने के लिए क्लेम किया जाता है। अभी कंपनियां कभी भी अपना ई-इनवॉयस अपलोड कर सकती हैं। इसके चलते कंपनियां कई बार ई-इनवॉयस अपलोड करने में देरी करती हैं। अब नया नियम लागू होने के बाद कंपनियों के पास सिर्फ सात दिन का वक्त होगा।

रेलवे कबाड़ बेचकर कर रहा छप्परफाड़ कमाई, 11,645 करोड़ उठाए

नई दिल्ली ।एजेंसी

रेलवे को साल 2017 से 2021 के बीच खानपान, विज्ञापन, पार्किंग, विश्राम स्थल जैसे गैर यात्री किराया स्रोतों से टार्गेट के मुकाबले कम आय हुई है। हालांकि, स्क्रैप या कबाड़ बेचने से उसे टार्गेट से ज्यादा रकम प्राप्त हुई। रेलवे पर कैग की अनुपालन लेखा परीक्षण रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। इसमें 2017 से 2021 के दौरान चार वर्षों में रेलवे की आय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है। कैग ने कहा है कि रेलवे बोर्ड ने चल परिसम्पत्तियों के माध्यम से विज्ञापन की नीति जनवरी 2017 में शुरू की थी। इस नीति का मकसद भारतीय रेलवे को आंतरिक और बाहरी विज्ञापनों से लैस संयुक्त ट्रेन पैकेज की पेश करने की सुविधा प्रदान करना था। रेलवे बोर्ड ने राइट्स को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2018 में रेलवे बोर्ड ने राइट्स द्वारा करार देने में देरी के कारण क्षेत्रीय रेलवे को बोली का प्रबंधन सौंपने का फैसला किया। साल 2018-19 से 2020-21 की अवधि के दौरान इस नीति के तहत क्षेत्रीय रेलवे द्वारा विभिन्न संविदाओं को अंतिम रूप दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, अभिलेखों की जांच से पता चला है कि भारतीय रेल ने 14 क्षेत्रीय रेलवे में 93.25 करोड़ रुपये (28.28%) कमाए। जबकि अनुमानित आय 329.70 करोड़ रुपये तय की गई थी।

पार्किंग से आय 613 करोड़ रुपये

इसमें कहा गया है कि वर्ष 2017-18 को छोड़कर, समीक्षा अवधि के दौरान भारतीय रेल द्वारा स्टेशनों पर कार/स्कूटर पार्किंग से आय की प्राप्ति का मूल लक्ष्य हासिल नहीं किया गया था। कैग ने कहा, '956 करोड़ रुपये के मूल लक्ष्य के मुकाबले वास्तविक आय 613 करोड़ रुपये थी। जिससे राजस्व में 343 करोड़ रुपये (36ऱ) की कमी आई।' कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017 में रेलवे बोर्ड ने एक नई खानपान नीति तैयार की। इस नीति के अनुसार, आईआरसीटीसी (IRCTC) को मोबाइल खानपान इकाइयों, बेस किचन, सेल किचन, ए 1 और ए श्रेणी के स्टेशन पर जलपान कक्ष, फूड प्लाजा से खानपान सेवाओं के लिए उत्तरदायी बनाया गया था।

58.54 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क

क्षेत्रीय रेलवे के 32 मंडलों में आय की नमूना जांच से पता चला है कि साल 2017-21 के दौरान खानपान के मद में 72.34 करोड़ रुपये के लक्ष्य की तुलना में 58.54 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क वसूला गया था। इसके परिणामस्वरूप 13.81 करोड़ रुपये लाइसेंस शुल्क के रूप में कम वसूला गया। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के दिनों में रेलवे के वित्त पोषण के लिए आंतरिक संसाधनों के सृजन के लिए स्क्रैप को उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है।

स्क्रैप की बिक्री से 11,645 करोड़ की कमाई

कैग की लेखा परीक्षा में पाया गया कि भारतीय रेल ने 2017 से 21 के दौरान स्क्रैप की बिक्री से 11,418 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 11,645 करोड़ रुपये की कमाई की। रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रीय रेलवे के 32 चयनित मंडलों में आय की नमूना जांच से पता चला कि वर्ष 2017-21 के दौरान विश्राम कक्षों से कुल आय 48.17 करोड़ रुपये थी। इसमें कहा गया है कि क्षेत्रीय रेलवे के चयनित मंडलों में बाहरी पार्टियों, पीएसयू और सरकारी कार्यालयों को किराये हेतु पट्टे पर दिये गए विभिन्न अभिलेखों की समीक्षा से यह पता चला है कि 31 मार्च 2021 तक 23.32 करोड़ रुपये की राशि बकाया थी।

घटता गया गैर किराया राजस्व का हिस्सा

कैग के अनुसार, वर्ष 2017-18 में रेलवे द्वारा नव अर्जन अभियान शुरू करने के बावजूद प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में गैर किराया राजस्व का हिस्सा वर्ष दर वर्ष घटता गया। यह वर्ष 2017-18 में विविध आय के 2.35 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2020-21 में 0.04 प्रतिशत हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस प्रकार, गैर किराया स्रोतों से राजस्व को कुल प्राप्तियों के 10 प्रतिशत करने का भारतीय रेल का लक्ष्य दूर दिखाई देता रहा है।

घर में कितना रख सकते हैं कैश, जान लीजिए क्या हैं सरकार के नियम

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना काल के बाद से डिजिटल लेन-देन का चलन काफी बढ़ गया है। अब लोग ज्यादातर ट्रांजेक्शन यूपीआई और डेबिट-क्रेडिट कार्ड के जरिए ही कर रहे हैं। लेकिन अभी भी लोग कैश में ट्रांजेक्शन करना ज्यादा पसंद करते हैं। इसके लिए लोग एटीएम से एक बार में ही ज्यादा कैश निकालकर ले आते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि घर में अधिकतम कितना कैश रखा जा सकता है। नियमों की जानकारी नहीं होने पर आपको जुर्माना देना पड़ सकता है। घर में कैश रखने का इनकम टैक्स का नियम क्या है। आइए आपको बताते हैं।

घर में कितना रख सकते हैं कैश

इनकम टैक्स (Income Tax) के नियम के मुताबिक, आप घर में जितना चाहे उतना कैश रख सकते हैं। लेकिन अगर आपके घर में रखी नकदी को कभी जांच एजेंसी पकड़ लेती है तो आपको इस कैश का सोर्स बताना होगा। अगर आपने पैसा गलत तरीके से नहीं कमाया है तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। आपके पास इसके लिए पूरे डॉक्यूमेंट्स होने चाहिए। वहीं आपने टैक्स रिटर्न भरा है तो घबराने की जरूरत नहीं है।

लग सकता है जुर्माना

अगर आप घर में रखे कैश के बारे में सोर्स नहीं बता पाते हैं तो जांच एजेंसी आपके ऊपर कार्रवाई करेगी। आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बता दें कि नोटबंदी के बाद इनकम टैक्स की ओर से कहा गया कि अगर आपके पास अनडिस्क्लोज कैश मिलता है तो जितना कैश आपके पास से बरामद होगा उस अमाउंट का 137 फीसदी तक टैक्स लगाया जा सकता है।

एक साल में कितना निकाल सकते हैं कैश

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स के मुताबिक, अगर कोई एक बार में 50 हजार से ज्यादा कैश निकालता है तो उसे अपना पैन कार्ड दिखाना होगा। वहीं एक साल में 20 लाख से ज्यादा कैश जमा या निकाला जा सकता है। दो लाख से ज्यादा का कैश पेमेंट करने पर पैन और आधार कार्ड दिखाना होगा।

अब खाता ही नहीं संपत्ति भी आधार से लिंक करनी पड़ सकती है

आधार से जोड़ने की याचिका पर सरकार से जवाब तलब

नई दिल्ली। एजेंसी

जल्द ही आधार से नागरिकों की संपत्ति को भी लिंक किया जा सकता है। दरअसल, दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्र से भ्रष्टाचार, काले धन और बेनामी लेनदेन पर अंकुश लगाने के लिए नागरिकों की चल और अचल संपत्ति के दस्तावेजों को उनके आधार नंबर से जोड़ने की मांग वाली याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की पीठ ने वित्त, कानून, आवास और शहरी मामलों और ग्रामीण विकास मंत्रालयों को याचिका पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि 'यह एक अच्छा मामला है, जवाब आने दें'. नागरिकों की चल और अचल संपत्ति के दस्तावेजों को उनके आधार नंबर से जोड़ने की मांग वाली याचिका की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील मनीष मोहन के साथ अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने इस मामले को महत्वपूर्ण बताया। याचिकाकर्ता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि यह राज्य का कर्तव्य है कि वह भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए उचित कदम उठाए और अवैध तरीकों से अर्जित बेनामी संपत्तियों को जब्त करे ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सरकार भ्रष्टाचार और काले धन से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। अगर सरकार संपत्ति को आधार से जोड़ती है, तो इससे सालाना आधार पर दो फीसदी की ग्रोथ होगी। यह चुनावी प्रक्रिया को साफ कर देगी, जो काले धन और बेनामी लेनदेन को लीड करता है। याचिका में कहा गया है, 'निजी संपत्ति को इकट्ठा करने के लिए राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल किया जाता है और नागरिकों के तिरस्कार किया जाता है।

1100 से ज्यादा योजनाओं में इस्तेमाल होता है आधार

अगर चल-अचल संपत्तियों को मालिक के आधार नंबर से जोड़ा जाता है तो निगरानी आसान हो जाएगी। हाल ही में वित्त मंत्रालय ने छोटी बचत योजनाओं और पोस्ट ऑफिस स्कीम्स इनवेस्टमेंट के लिए खाते से आधार को लिंक करना अनिवार्य कर दिया है। जबकि, बैंक खाते के लिए पहले ही आधार अनिवार्य है। जबकि, कई 1100 से ज्यादा केंद्र और राज्य की कल्याणकारी योजनाओं के लिए आधार का इस्तेमाल किया जाता है।

खरगोन बन रहा मप्र का पूर्णतः स्मार्ट मीटर वाला दूसरा शहर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। कंपनी के खरगोन शहर में स्मार्ट मीटरीकरण तेजी से चल रहा है। एक माह में खरगोन शहर शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाला शहर हो जाएगा। खरगोन में कुल 44 हजार बिजली उपभोक्ता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि महू शहर मप्र का पहला स्मार्ट मीटरीकृत शहर पहले ही घोषित हो चुका है। श्री तोमर ने बताया कि संभागीय मुख्यालय, जिला मुख्यालय के अलावा अब अन्य नगरीय इलाकों में भी स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

प्रशांत महासागर में समुद्री जीवों ने आपदा को बनाया अवसर

प्लास्टिक का पहाड़ बन रहा नया घर, नई जीवन शैली अपना रहे

नयी दिल्ली। एजेंसी

पर्यावरण के जानकार प्लास्टिक को लेकर चिंता जता रहे हैं। ये जमीन और हवा से लेकर समुद्र तक में फैल चुका है। समुद्र में फैले इस प्लास्टिक को लेकर वैज्ञानिक आशंका जता रहे थे कि इससे सी- एनिमल्स और वनस्पतियों को बड़ा नुकसान हो रहा होगा, लेकिन हाल में कुछ नया ही देखने को मिला। प्रशांत महासागर में फैले प्लास्टिक पैच पर कई समुद्री प्रजातियां फलने-फूलने लगी हैं।

नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में सोमवार को प्रकाशित स्टडी में शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि समुद्री जीवों की कई दर्जन स्पीशीज समुद्र में सालों से तैर रहे प्लास्टिक पर रहने और बढ़ने में सक्षम हो चुकी हैं। इस तरह से एक नया इकोसिस्टम तैयार हो रहा है, जिसमें प्लास्टिक उनके लिए खतरा नहीं, बल्कि जीवन देने वाला साबित हो रहा है।

बहुत विशाल है कचरे का ढेर

ये जीव ग्रेट पैसिफिक गारबेज पैच पर मिले हैं। दरअसल हवाई और कैलीफोर्निया के बीच स्थित प्रशांत महासागर के लगभग 1.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर हिस्से पर इंसानों द्वारा फेंका कचरा जमा हो चुका है। ये कचरे का ढेर कोई छोटा-मोटा नहीं, बल्कि एक द्वीप जैसा है। एक अनुमान के मुताबिक यहां प्लास्टिक के लगभग 1.8 ट्रिलियन टुकड़े जमा हैं। कूड़े का ये मलबा इतना बड़ा है कि इसे ग्रेट पैसिफिक गारबेज पैच कहा जाने लगा।

जीवों ने प्लास्टिक को बना लिया आसरा

शुरुआत में वैज्ञानिक मान रहे थे कि जल्द ही यहां आसपास मौजूद समुद्री जीवों की मौत होने लगेगी और खतरा इंसानों तक पहुंच जाएगा, लेकिन स्टडी में नया पैटर्न देखने को मिला। शोधकर्ताओं ने साढ़े चार सौ से ज्यादा समुद्री जीवों की पहचान की, जो कचरे और उसके आसपास

रहते मिले। हालांकि ये साफ नहीं हो सका कि ये जीव स्थाई तौर पर प्लास्टिक को अपने घर की तरह इस्तेमाल करते हैं, या नहीं।

माना नई कम्युनिटी

स्टडी में शामिल अमेरिका, कनाडा और नीदरलैंड के एक्सपर्ट ये मान रहे हैं कि बहुत से अकशेरुकीय जीव-जंतु प्लास्टिक के मलबे पर तैरते हुए ज्यादा लंबा जीवन जी पाते हैं क्योंकि ढेर पर उन्हें समुद्र की तुलना में कम संघर्ष करना होता है। वे इसपर प्रजनन भी कर रहे हैं। साइंटिस्ट्स ने इस नई इकॉलॉजी में शामिल जीवों को नियोपेलैजिक कम्युनिटी नाम दिया है।

तट तक सीमित जीव समुद्र के बीच में पहुंच रहे

इस नाम में दो अर्थ शामिल हैं, तटीय और समुद्री प्रजातियों का मिश्रण. आमतौर पर तटीय जीव लंबे समय तक जीवित तो रह पाते हैं, लेकिन समुद्र में अपना घर नहीं बना पाते। अब प्लास्टिक के मलबे को वे घर की तरह इस्तेमाल करने लगे हैं। इससे वे बीच समुद्र में आसानी से रह पा रहे हैं और तट पर रहने की क्षमता उनके पास पहले से ही है।

किस तरह का प्लास्टिक कचरा है समुद्र में

मछली पकड़ने का जाल, दुर्घटनाग्रस्त बोटें, प्लास्टिक की बोतलें, रस्सियां जैसी कई चीजें समुद्र में जमा हो रही हैं। चूंकि प्लास्टिक वेस्ट का विघटन जल्दी हो नहीं पाता तो ये जमा होते हुए लंबे-चौड़े मलबे का रूप ले चुकी हैं। इसपर समुद्री वनस्पति भी लिपट जाती है, जिससे इसका शेप ज्यादा पक्का हो जाता है। देखा गया कि इन्हीं मलबों पर स्पीशीज तैरने लगे हैं। ये प्रोसेस राफ्टिंग कहलाती है, जो वैसी ही है, जैसे हम-आप एडवेंचर एक्टिविटी की तरह करते हैं, यानी किसी नाव पर सवार होकर लहरों पर तैरना उतरना

रस्सी पर बन रहीं सबसे ज्यादा कॉलोनियां

समुद्री जीव प्लास्टिक कचरे का किस हद इस्तेमाल करने लगे हैं, ये समझने के लिए वैज्ञानिकों ने 10 अलग-अलग श्रेणियों में 100 से ज्यादा आइटम पहचाने, जो समुद्र में सालों से तैर रहे हैं. इन्हें देखा गया कि किस तरह के वेस्ट पर कितनी प्रजातियां जीवित रह रही हैं। इस दौरान दिखा कि सबसे ज्यादा जीव रस्सियों पर जीवित थे और प्रजनन कर रहे थे. इसके बाद मछलियां पकड़ने के जाल और फिर प्लास्टिक बोतलों का नंबर था।

प्लास्टिक के कई द्वीप बन चुके

ग्रेट पैसिफिक गारबेज पैच दुनिया में अकेला समुद्री मलबा नहीं, बल्कि कई जगहों पर प्लास्टिक का पहाड़ खड़ा हो रहा है। ये गारबेज सतह पर ही नहीं, बल्कि नीचे भी पहुंच चुका है। फिलहाल कुल 4 बड़े प्लास्टिक वेस्ट के ढेर पहचाने गए हैं, जिनमें प्रशांत महासागर के अलावा दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के बीच साउथ पैसिफिक गारबेज पैच, अफ्रीका के तट पर महासागर गारबेज पैच और नॉर्थ अटलांटिक गारबेज पैच शामिल हैं।

Fungi Breakdown Plastic Waste:

कठोर प्लास्टिक को नष्ट कर सकती है Fungi

1 हजार साल नहीं बल्कि कुल 140 दिन में तोड़ सकती है वेस्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

सामान पकड़ने के लिए छोटी पॉलीथीन से लेकर एक बोत्तल के ढक्कन तक प्लास्टिक हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। लेकिन अब पर्यावरण पर इसके हानिकारक प्रभाव को देखते हुए लगातार इसके इस्तेमाल को कम करने की बात की जा रही है। इसे जल्द से जल्द नष्ट किया जा सके इसके लिए अलग-अलग उपाय निकाले जा रहे हैं। अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसी फंगी (इल्हुर) खोजी है जो टफ प्लास्टिक को भी आसानी से डिस्पोज कर सकती है। फंगी (Fungi) ये काम केवल 140 दिन में कर सकती है।

कठोर प्लास्टिक को किया जा सकता है नष्ट

दुनिया में प्लास्टिक वेस्ट का एक तिहाई हिस्सा पॉलीप्रोपाइलीन (Polypropylene) है। एक कठोर प्लास्टिक जिसका इस्तेमाल बोतल के ढक्कन और फूड कंटेनर बनाने के लिए किया जाता है। इस तरह की प्लास्टिक को नष्ट होने में करीब 1 हजार साल लग जाते हैं। लेकिन अब, वैज्ञानिकों ने केवल 140 दिनों में पॉलीप्रोपाइलीन के लैब सैंपल को तोड़ने के लिए मिट्टी में पाए जाने वाली दो

फंगी का उपयोग किया है।

दो फंगी, जिसमें Aspergillus terreus Deewj Engyodontium album शामिल हैं, ने कुल 90 दिनों में इस कठोर प्लास्टिक के 25 से 27 प्रतिशत सैंपल को खत्म कर दिया था यानि खा लिया था, और 140 दिनों के बाद प्लास्टिक पूरी तरह से टूट चुकी थी।

स्टडी के पीछे है ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों की टीम

इस स्टडी के पीछे ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों की टीम है। यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के केमिकल इंजीनियर अली अब्बास ने बताया, 'यह अभी तक रिकॉर्ड किया गया सबसे बड़ा रिजल्ट है.' हालांकि यह फंगी के लिए एक स्पीड रिकॉर्ड हो सकता है। हाल ही में एक खाद के ढेर में खोजे गए प्लास्टिक-कुतरने वाले बैक्टीरिया केवल 16 घंटों में 90 प्रतिशत पीईटी, या पॉलीइथाइलीन टेरेपथेलेट को खत्म करने में सक्षम हैं।

प्लास्टिक को तोडना हो जाता है मुश्किल

एक बेसिक केमिकल लेवल पर, प्लास्टिक कार्बन एटम स्ट्रिंग होती है, जो हर प्रकार के प्लास्टिक को उसके अलग-अलग गुण देती है. ऐसे में थ्योरी में प्लास्टिक को रीसायकल करना उतना ही आसान होना चाहिए जितना उसे कोई नया रूप देना होता है। लेकिन दुनिया में इतने अलग-अलग प्रकार के प्लास्टिक हैं कि जब उन्हें वेस्ट के रूप में कई सारी चीजों के साथ मिलाया है, तो इन्हें अलग करना या तोड़ना काफी मुश्किल हो जाता है। अधिकांश प्लास्टिक कचरे को या तो जला दिया जाता है या लैंडफिल में डाल दिया जाता है।

लैब में हुई रिसर्च से पता चला है कि एक साथ, ये दोनों फंगी पॉलीप्रोपाइलीन को पतली परत में तोडना शुरू करती हैं। जबकि शोधकर्ता अभी तक नहीं जानते हैं कि फंगी इस प्लास्टिक को कैसे पचाता है। इस रिसर्च से पता चलता है कि इससे प्लास्टिक कचरे को कम करने का प्रयास किया जा सकता है।

निर्यात बढ़ा 6% तो आयात बढ़ गया 16.5%

नई दिल्ली। एजेंसी

साल 2022-23 के दौरान देश से रिकार्ड 447 अरब डॉलर का निर्यात हुआ। यह एक साल पहले के मुकाबले छह फीसदी की बढ़ोतरी है। लेकिन इसी दौरान देश के आयात में 16.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बीते साल अपने यहां कुल 714 अरब डॉलर का आयात हुआ है। इसी के साथ अपना व्यापार घाटा भी बढ़ कर 267 अरब डॉलर पर चला गया। एक साल पहले यह 191 अरब डॉलर था।

कुछ क्षेत्रों में बेहतर रहा निर्यात

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को आयात और निर्यात से जुड़े आंकड़ों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश का निर्यात बीते वित्त वर्ष 2022-23 में छह प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 447 अरब डॉलर पर चला गय। आलोच्य वर्ष में मुख्य रूप से पेट्रोलियम, फार्मा, रसायन तथा समुद्री उत्पादों के क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से निर्यात अच्छा रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में निर्यात 422 अरब डॉलर था।

500 साल बाद अक्षय तृतीया पर बन रहा ऐसा शुभ संयोग

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

वैदिक ज्योतिष के अनुसार 22 अप्रैल 2023 को बृहस्पति का गोचर सभी राशियों के जीवन को अलग-अलग तरह से प्रभावित करेगा। खास बात यह है कि गुरुदेव बृहस्पति 12 साल बाद मेष राशि में गोचर करने जा रहे हैं और जिस दिन बृहस्पति मेष राशि में गोचर करेंगे उस दिन अक्षय तृतीया है। आपको बता दें कि ऐसा आज से 500 साल पहले हुआ था और अब 22 अप्रैल 2023 को एक बार फिर अक्षय तृतीया पर बृहस्पति का गोचर होगा। यह घटना राशि चक्र से हर राशि को प्रभावित करेगी। लेकिन इस गोचर की तीन भाग्यशाली राशियां हैं जो इस अवधि के दौरान धन लाभ, पदोन्नति और सफलता के रूप में लाभों का आनंद लेंगी। जानें इन राशियों के बारे में

वृषभ राशि- वृष राशि के जातकों को बृहस्पति के गोचर के परिणामस्वरूप सौभाग्य का अनुभव हो सकता है क्योंकि बृहस्पति उनकी राशि के 12वें भाव में होगा। वहीं दूसरी ओर आपकी राशि के स्वामी अक्षय तृतीया पर मालव्य राजयोग बना रहे हैं। इसलिए आपका व्यक्तित्व अब बेहतर के लिए बदल जाएगा। साथ ही, आपको इस अक्षय तृतीया पर वस्त्र, आभूषण से लाभ होगा। इसके अलावा गुरु गोचर 2023 के दौरान आपकी सभी इच्छाएं भी पूरी होंगी। पारिवारिक और रोमांटिक जीवन के लिहाज से आप अपने परिवार और रोमांटिक रिश्तों में संतुष्ट रहेंगे। हालांकि पैसे खर्च करते समय आपको थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है क्योंकि अनावश्यक चीजों पर पैसा बर्बाद होने की संभावना है।

सिंह राशि- सिंह राशि के तहत पैदा हुए लोगों को बृहस्पति का यह गोचर लाभप्रद लग सकता है और उन्हें भाग्यशाली आकर्षण का आशीर्वाद प्राप्त होगा क्योंकि सिंह राशि के जातकों के लिए बृहस्पति उनके नवम भाव में गोचर करेगा। आपके ऑफिस के काम या व्यवसाय से संबंधित यात्रा की संभावनाएं हैं और इस तरह आपकी विदेश यात्रा की इच्छा पूरी होगी। इसके अलावा, सूर्य मेष राशि में उच्च राशि में होने के कारण अक्षय तृतीया पर राशि चक्र से पांचवें स्थान पर चले जाएंगे। इस अवधि में आपके परिवार के साथ-साथ समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। गुरु गोचर भी छात्रों के लिए काफी अनुकूल है और उन्हें अपनी पढ़ाई में बहुत लाभ होगा।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों के लिए भी 22 अप्रैल को गुरु का यह गोचर शुभ साबित होगा क्योंकि यह गोचर वृश्चिक राशि के जातकों की कुंडली के छठे भाव में होने जा रहा है। अगर आप कानूनी मामलों में फंसे हुए हैं तो इस समय आपको सफलता मिलेगी और कोर्ट-कचहरी के फैसले आपके पक्ष में रहेंगे। साथ ही इस समय आपके साहस और पराक्रम दोनों में वृद्धि होगी। जो लोग व्यवसाय कर रहे हैं या खुद की फर्में चला रहे हैं, उनके लिए यह समय फलदायी साबित होगा और मोटा मुनाफा होने की संभावना है। बृहस्पति का यह गोचर सैन्य, पुलिस या प्रशासनिक क्षेत्र के लोगों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। अगर आप मकान और जमीन में निवेश करने की सोच रहे हैं तो अक्षय तृतीया के दिन करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

सूर्य ग्रहण के कारण बढ़ गया वैशाख अमावस्या का महत्व

पितृदोष और कालसर्प दोषों से मुक्ति के लिए करें ये उपाय

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

हिंदू धर्म में अमावस्या और पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व होता है और वैशाख अमावस्या पर इस बार साल का पहला सूर्य ग्रहण लगने के कारण इसका महत्व काफी बढ़ गया है। अमावस्या तिथि को कई प्रकार के वास्तु या ज्योतिष दोषों से मुक्ति पाने के उपाय करने के लिए बहुत ही खास माना गया है। वैशाख अमावस्या पर पूर्ण सूर्य ग्रहण लगने के कारण इस बार आप पितृ दोष और कालसर्प दोष से मुक्ति पा सकते हैं।

वैशाख अमावस्या 2023 का समय

वैशाख अमावस्या की तिथि की शुरुआत 19 अप्रैल 2023 को सुबह 11:23 से हो रही है। वैशाख अमावस्या का समापन 20 अप्रैल 2023 को सुबह 09:41 पर होगा। हिंदू पंचांग के अनुसार उदयातिथी को ज्यादा महत्व दिया जाता है। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार वैशाख अमावस्या 20 अप्रैल को मनाई जाएगी।

पितृदोष व कालसर्प दोष दूर करने के लिए करें ये उपाय

- वैशाख अमावस्या पर दान-दक्षिणा व पूजन से पितृ दोष, कालसर्प दोष, नाग दोष, ग्रहण दोष से छुटकारा पा सकते हैं।
- किसी भी जातक की कुंडली में दूसरे, चौथे, पांचवें, सातवें, नौवें और दशवें भाव में राहु और सूर्य की युति से पितृ दोष लगता है।
- यदि किसी जातक के जन्मकुंडली में पितृ दोष होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैशाख अमावस्या पर पितरों के निमित्त श्राद्ध, पिंडदान तथा तर्पण करना चाहिए।
- कुंडली में राहु और केतु के बीच सभी ग्रहों के आ जाने की वजह से कालसर्प दोष लगता है। कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए वैशाख अमावस्या के दिन भगवान शिव की पूजा करनी है।
- भगवान शिव की पूजा करने और शिवलिंग पर गंगा जल और दूध का अभिषेक करने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है।

अक्षय तृतीया से पहले घर से बाहर कर दे ये अशुभ चीजें, नहीं तो छाई रहेगी कंगाली

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाने वाली अक्षय तृतीया को हिंदू कैलेंडर के सबसे शुभ अवसरों में से एक माना जाता है. अक्षय तृतीया को 'अखा तीज' भी कहा जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसी मान्यता है कि इसी दिन भगवान परशुराम, नर-नारायण और हयग्रीव का अवतार हुआ था. इस बार अक्षय तृतीया शनिवार, 22 अप्रैल को मनाई जाएगी. चूंकि, इस दिन सूर्य और चन्द्रमा दोनों उच्च राशि में स्थित होते हैं. इसलिए इस दिन सोना खरीदना या नई चीजों में निवेश करना शुभ माना जाता है. हालांकि, कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जिन्हें इस दिन घर से बाहर निकाल फेंकना चाहिए. नहीं तो मां रुष्ट हो जाती हैं.अक्षय तृतीया के दिन टूटी झाड़ू, फटे-पुराने जूते चप्पल, देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियों को बाहर कर देना चाहिए.

टूटी झाड़ू

झाड़ू मां लक्ष्मी का प्रतीक है. शास्त्रों में झाड़ू के बारे में ढेरों नियम दिए गए हैं. अक्षय तृतीया के दिन घर में टूटी झाड़ू के होने से घर की बरकत खत्म हो जाती है. मां लक्ष्मी की पूजा का

फल भी नहीं मिलता है. इसलिए अक्षय तृतीया के दिन घर में रखी टूटे झाड़ू को बाहर निकाल देना चाहिए. इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में बरकत होती हैं.

फटे-पुराने जूते-चप्पल

फटे-पुराने जूते चप्पल से घर में दरिद्रता आती है. घर में कटे-फटे जूते चप्पल होने से माता लक्ष्मी द्वार पर आकर लौट जाती हैं. इसलिए अक्षय तृतीया के दिन घर में रखे कटे-फटे जूते चप्पल को बाहर निकाल देना चाहिए.

टूटे-फूटे बर्तन

घर में टूटे-फूटे बर्तन से परिवार में अशांति फैलती है और माता लक्ष्मी का वास नहीं होता है. इसके अलावा, टूटे-फूटे बर्तन से घर में नकारात्मकता भी आती है. इसलिए अक्षय तृतीया के दिन टूटे फूटे बर्तन को घर से बाहर फेंक दें.

गंदे कपड़े

धार्मिक मान्याताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी को साफ-सफाई बेहद पसंद है. घर की साफ-सफाई से मां लक्ष्मी आकर्षित होती हैं. इसलिए अक्षय तृतीया के दिन घर को साफ-सुथरा रखें. घर में झूठे बर्तन, गंदे-बिना धुले कपड़े भी नहीं रखें. इससे देवी मां रुष्ट हो जाती हैं.

सूखे पौधे

अगर आप अपने घर में पौधे लगाए हुए हैं. अगर वे पौधे सूख रहे हों या सूख गए हो तो उसे जमीन के अंदर गाड़ दें या उसे नदी या बहते पानी में प्रवाहित कर दें. क्योंकि सूखे पौधे घर में वास्तुदोष का कारण बनते हैं. माता लक्ष्मी इससे नाराज हो जाती हैं. सूखे पौधे को घर से दूर कर देने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और जीवन में तरक्की होती है. इसलिए अक्षय तृतीया के दिन इसे घर से बाहर फेंक दें.

बुध के अशुभ होने पर करियर से लेकर व्यापार तक होता है प्रभावित, जानिए उपाय

भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवनकाल में ग्रहों की महादशा और सूक्ष्म दशाओं से प्रभावित होता है। किसी ग्रह की दशा व्यक्ति की लिए शुभ होती है। वहीं, कुछ ग्रहों की दशाएं अशुभ होती है। इस क्रम में आज हम ग्रहों के राजकुमार बुध देव की महादशा पर बात करेंगे। बुध की महादशा में व्यक्ति 17 साल तक प्रभावित रहता है। बुध देव को बुद्धि, तर्क, संवाद, गणित, चतुरता, अर्थव्यवस्था, व्यापार और मित्र का कारक माना जाता है। यदि कुंडली में बुध देव अशुभ स्थिति में विराजमान हैं, तो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, वह हकलाने लगता है। साथ ही वह गणित और वाद- विवाद में कमजोर होता है। ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं, बुध की महादशा का जीवन में प्रभाव और उपाय।

बुध का कुंडली में अशुभ होना

जन्म कुंडली में बुध ग्रह के अशुभ होने पर जातक को अशुभ फलों की प्राप्ति होती है। व्यापार में सफलता मिलती है। नाक, कान और चर्म रोग होने की संभावना रहती है। मौसी और बुआ से संबंध खराब होते हैं। शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में नुकसान उठाना पड़ता है।

बुध का कुंडली में शुभ होना

जन्म कुंडली में बुध ग्रह के शुभ होने पर जातक को सभी कार्यों में सफलता मिलती है। व्यापार में उन्नति होती है। गणित विषय में दिमाग तेज होता है। कैलकुलेशन बहुत अच्छी होती है। ऐसा व्यक्ति का करिअर एमबीए, गणित टीचर, अर्थशास्त्री, बैंक सेक्टर में अच्छा नाम होता है। वाद-विवाद की कला में यह लोग निपुण होते हैं।

बुध ग्रह के उपाय

1.बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए हर बुधवार गाय को हरा चारा खिलाएं।

2.किन्नरों को समय- समय पर कुछ पैसे दें।

3.हाथ में पन्ना रत्न धारण करें।

4.बुध ग्रह से संबंधित दान जैसे- हरी मूंग की दाल, हरी कोई सब्जी, हरे रंग का कोई कपड़ा बुधवार के दिन दान कर सकते हैं।

5.बुध ग्रह के बीज मंत्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः का 108 बार रोज जाप करें।

स्कोडा स्लाविया को क्रैश सेफ्टी में मिले 5 स्टार

स्कोडा का पूरा बेड़ा ग्लोबल एनसीएपी परीक्षणों में सबसे ज्यादा अंकों के साथ 5-स्टार सुरक्षित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सुरक्षा और टूट-फूट के मामले में स्कोडा ऑटो इंडिया के टिकाऊ होने का दर्जा लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि स्लाविया सेडान को हाल ही में ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) क्रैश टेस्ट्स में 5 में से पूरे 5-स्टार्स मिले हैं। स्लाविया इस प्रकार ग्लोबल एनसीएपी द्वारा परखी गई सबसे सुरक्षित कार भी बन गई है, भारत के लिये ज्यादा सुरक्षित कारों के मुद्दे को आगे बढ़ाती है और स्कोडा ऑटो इंडिया को भारत की एकमात्र निर्माता बनाती है, जिसके पास क्रैश-टेस्टेड कारों से भरा बेड़ा है, जिन्हें वयस्क और बाल यात्रियों के लिये 5-स्टार्स मिले हैं। स्लाविया द्वारा स्थापित किये गये सुरक्षा मानकों पर अपनी बात रखते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्राण्ड डायरेक्टर श्री पेट्र सोल्क ने कहा, 'स्कोडा में अपनी रणनीति के तहत हम अपने ग्राहकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते हैं। यह बताते हुए मैं खुश हूँ कि हमारी दूसरी इंडिया 2.0 कार स्लाविया को ग्लोबल एनसीएपी सुरक्षा परीक्षण में 5-स्टार रेटिंग मिली है। यह बात सुरक्षा, परिवार और मानवीय स्पर्श के हमारे ब्राण्ड के मूल्यों से पूरी तरह मेल खाती है। हम गंभीरता से अपने ग्राहकों की प्रशंसा करते हैं, जिन्होंने स्कोडा के उत्पाद खरीदने का फैसला लिया है और हम बहुत खुश हैं कि हम उनके लिये बाजार की सबसे सुरक्षित कारों की पेशकश कर सकते हैं। सुरक्षा के लिये एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ हमारे पास 5-स्टार सुरक्षित कारों की पूरी तरह से परखी हुई एक श्रृंखला है। इससे मुहर लगती है कि हमने किस तरह हमेशा अपनी कारों की गुणवत्ता, टिकाऊपन और सुरक्षा पर ध्यान दिया है। सुरक्षा हमारी रणनीति के मूल में है और हम इस दर्शन के साथ कारें बनाते रहेंगे।' स्लाविया को स्थानीयकरण, स्वामित्व और रख-रखाव की कम लागत पर ज्यादा ध्यान के साथ डिजाइन किया गया था। साथ ही स्कोडा की सक्रिय ड्राइविंग की खूबियों को बरकरार रखा गया और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया गया। भीतर के विभिन्न आघातों पर उसे परखा गया था। स्लाविया को शुरूआत से ही सुरक्षा का ध्यान रखते हुए डिजाइन किया गया था। उसके आंतरिक ढांचे को कम वेल्ड किया गया है। इस ढांचे में ज्यादा मजबूत स्टील है और वह दुर्घटना के प्रभाव को कम तथा अवशोषित करने के लिये बना है, ताकि बाहरी हिस्से पर अंदर के केबिन से कम प्रभाव हो। यह मजबूत और आघात का अवशोषण करने वाली संरचना सुरक्षा की एक्टिव और पैसिव

टेक्नोलॉजी का संगम है, जोकि स्लाविया को भीतर से लेकर बाहर तक पूरी तरह से सुरक्षित कार बनाता है। स्लाविया में 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, मल्टी-कोलिजन ब्रेकिंग, ट्रैक्शन कंट्रोल, एंटी-लॉक ब्रेक्स, बच्चों की सीटों के लिये आइसोफिक्स माउंट्स, टॉप टेथर एंकर पॉइंट्स, रेन-सेंसिंग वाइपर्स, ऑटोमेटिक हेडलाइट्स, टायर-प्रेशर मॉनिटरिंग, आदि जैसी खूबियाँ हैं।

भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बना, चीन को पीछे छोड़ा, यूएसए तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। एजेंसी

यूएन ने बुधवार को आंकड़े जारी करते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल गया है. भारत की 26 प्रतिशत आबादी की उम्र 10 से 24 वर्ष के बीच है। दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के रूप में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। यूएन के अनुसार भारत 142.86 करोड़ जनसंख्या के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है और चीन दूसरे नंबर पर खिसक गया है। जबकि, यूएसए सर्वाधिक जनसंख्या के मामले में तीसरे नंबर पर है. विभिन्न एजेंसियों का अनुमान है कि भारत की जनसंख्या लगभग तीन दशकों तक बढ़ती रहने वाली है। यूएन ने बुधवार को आंकड़े जारी करते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल गया है। ब्लूमबर्ग ने संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या डैशबोर्ड के हवाले से बताया कि भारत की जनसंख्या 1.428

अरब (142.86 करोड़) से अधिक है। जबकि, चीन की आबादी 1.425 अरब (142.57 करोड़) है. दोनों देशों की जनसंख्या में बस थोड़ा अंतर है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के जनसंख्या आंकड़ों के कलेक्शन में थोड़ा अंतर है। चीन की आबादी पिछले साल चरम पर थी और अब नीचे आ रही है, जबकि भारत की आबादी बढ़ रही है। ळ्ईईं की रिपोर्ट के अनुसार भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 वर्ष के आयु वर्ग में है। जबकि, 18 प्रतिशत 10 से 19 आयु वर्ग में और 26 प्रतिशत आबादी 10 से 24 वर्ष की आयु वर्ग में. वहीं, 68 प्रतिशत 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में हैं। इसके अलावा 7 प्रतिशत 65 वर्ष से ऊपर के आयु वर्ग में हैं. विभिन्न एजेंसियों के अनुमान से पता चला है कि भारत की जनसंख्या लगभग तीन दशकों तक बढ़ती रहने वाली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2023 तक के आंकड़ों के अनुसार यूएसए 340 मिलियन की अनुमानित जनसंख्या के साथ भारत और चीन के बाद तीसरे नंबर है। भारत और चीन 8.045 अरब की अनुमानित वैश्विक आबादी में एक तिहाई से अधिक के हिस्सेदार हैं।

SBI ने असुरक्षित नोटों के जरिए 2 अरब डॉलर जुटाने की योजना को दी मंजूरी

मुंबई। एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने बताया कि वह वित्त वर्ष 2024 में 2 अरब डॉलर तक की राशि जुटाने के लिए सीनियर अनसिक्योर्ड नोट्स (असुरक्षित नोट) जारी करेगा। बैंक की एग्जिक्यूटिव कमिटी ने मंगलवार 18 अप्रैल को हुई बैठक में कहा कि सीनियर अनसिक्योर्ड नोट के लिए अमेरिकी डॉलर या दूसरे कनवर्टिबल विदेशी मुद्राओं का इस्तेमाल किया जाएगा। बोर्ड ने यह भी कहा कि नोट्स पब्लिक ऑफर या प्राइवेट प्लेसमेंट के रूप में पेश किए जा सकते हैं। SBI देश का सबसे बड़ा कमर्शियल बैंक है, जिसका मार्केट कैपिटलाइजेशन करीब 5 लाख करोड़ रुपये है। एँ ने पिछले महीने एडिशनल टियर-1 बॉन्ड जारी करके वित्त वर्ष 2023 के लिए 3,717 करोड़ रुपये जुटाए थे। इन बॉन्ड को 8.25 फीसदी के ब्याज पर जारी किया जाता है। इन बॉन्ड्स की समयावधि असीमित है और । इसमें 10 साल के बाद या हर साल वर्षगांठ पर कॉल आप्शन का विकल्प उपलब्ध रहेगा। एँ ने बताया कि बॉन्ड्स के जरिए जुटाई गई रकम का इस्तेमाल एडिशनल टियर-1 कैपिटल को मजबूत करना और बैंक के ओवरऑल कैपिटल बेस को बढ़ाना है।

भारतीय रेलवे को वित्त वर्ष 2022-23 में हुई बंपर कमाई, रेवेन्यू 25% बढ़ा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2022-23 में रेवेन्यू में 25 फीसदी उछाल की सूचना दी है। रेलवे ने बताया है कि पिछले वित्त वर्ष में उसे 2.40 लाख करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल हुआ। इस तरह रेलवे को पिछले फाइनेंशियल ईयर में 2021-22 की तुलना में 49,000 करोड़ रुपये का ज्यादा रेवेन्यू हासिल हुआ। आइए जानते हैं कि रेलवे को माल की ढुलाई और पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन से कितनी आमदनी हुई...

माल ढुलाई से होने वाला रेवेन्यू बढ़ा

वित्त वर्ष 2022-23 में माल ढुलाई से होने वाली आमदनी भी काफी अधिक इजाफा के साथ 1.62 लाख करोड़ रुपये रही। यह वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 15 फीसदी उछाल को दिखाता है। रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2022-23 में पैसेंजर सेवाओं से होने वाली आमदनी में 61 फीसदी का अब तक का सबसे ज्यादा इजाफा देखने को मिला और यह 63,300

करोड़ रुपये पर पहुंच गया। करीब तीन साल बाद भारतीय रेलवे पेंशन पर होने वाले खर्च को पूरी तरह से पूरा करने में सक्षम हो पाया है। रेवेन्यू में उछाल और कड़े व्यय प्रबंधन से 98.14 फीसदी का ऑपरेटिंग रेशियो हासिल करने में मदद मिली है।

आंतरिक संसाधनों से जुटाए इतने रुपये

राजस्व से जुड़े सभी खर्चों को पूरा करने के साथ रेलवे ने आंतरिक संसाधनों से पूंजीगत निवेश के लिए 3,200 करोड़ रुपये जुटाए। इनमें से 700 करोड़ डेप्रिशिएशन रिजर्व फंड, 1000 करोड़ रुपये डेवलपमेंट फंड और 1,516.72 करोड़ रुपये राष्ट्रीय रेल संरक्षक कोष के लिए हैं। ट्रैफिक रेवेन्यू की बात की जाए तो रेलवे ने 2022-23 में पैसेंजर रेवेन्यू के रूप में 63,300 करोड़ रुपये जुटाए। वित्त वर्ष 2021-22 में रेलवे ने इस मद से 39,214 करोड़ रुपये की आमदनी हासिल की थी. यह सालाना आधार पर 61 फीसदी उछाल को दिखाता है। कोचिंग रेवेन्यू के रूप में रेलवे ने 2022-23 में 5,951 करोड़ रुपये बनाए. 2021-22 में यह आंकड़ा 4,899 करोड़ रुपये रहा था. यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 21 फीसदी ग्रोथ को दिखाता है।

इंदौर में लॉन्च हुआ डी बीयर्स फॉरएवरमार्क का दूसरा एक्सक्लूसिव स्टोर

कल्पतरु ग्रैंड्यूर के बाद अब फीनिक्स सिटाडेल मॉल में नई शुरूआत

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

पहले स्टोर की अपार सफलता और प्रशंसकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए डी बीयर्स फॉरएवरमार्क ने इंदौर में अपने दूसरे एक्सक्लूसिव स्टोर की शुरुआत की है। नेचरल डायमंड्स और कंटेम्परारी ज्वेलरी की बढ़ती माँग और प्रशंसकों की सराहना का ही परिणाम है कि सफलता के क्षेत्र में इस स्टोर ने पूरे शहर में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस नए स्टोर की शुरुआत शहर के प्रसिद्ध फीनिक्स सिटाडेल मॉल में की गई है, जिसमें ब्रांड के सबसे आइकॉनिक और सबसे अधिक माँग वाले ज्वेलरी कलेक्शन की पेशकश की जाएगी। इसके अतिरिक्त, डिस्प्ले पर क्लासिक फॉरएवरमार्क अवंति और आइकन कलेक्शंस के साथ ही साथ सर्कल ऑफ ट्रस्ट डायमंड बैंगल्स का शानदार कलेक्शन आकर्षण का मुख्य केंद्र होगा। इस स्टोर पर, हर तरह के ग्राहकों की पसंद और स्टाइल के अनुरूप कलेक्शन देखने को मिलेगा। विशेष बात यह है कि इस स्टोर में एक ही छत के नीचे सभी आकारों में शानदार डायमंड सॉलिटेयर ज्वेलरी का सबसे बड़ा और दुर्लभ कलेक्शन भी उपलब्ध होगा।

इन कलेक्शंस में शामिल प्रत्येक डी बीयर्स फॉरएवरमार्क डायमंड को अत्यंत सावधानी के साथ चुना गया है और यह एक यूनिक इंस्क्रिप्शन नंबर के साथ आता है, जो आपको सबसे सुंदर, दुर्लभ, प्राकृतिक और जिम्मेदारी के साथ तैयार किए गए डायमंड्स प्राप्त करने की ग्यारंटी प्रदान करता है। अमित प्रतिहारी, वाइस प्रेसिडेंट, डी बीयर्स फॉरएवरमार्क, ने कहा, 'हम इंदौर शहर में अपने दूसरे एक्सक्लूसिव स्टोर के शानदार उद्घाटन की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं और इंदौर में अपने ग्राहकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने इसे संभव बनाया है। यह नया स्टोर मन मोहने वाले टाइमलेस और मॉडर्न कलेक्शन को शामिल करेगा, जिसके लिए वास्तव में डी बीयर्स फॉरएवरमार्क को जाना जाता है। इस स्टोर में डिस्प्ले किया गया हमारा प्रत्येक डायमंड, शानदार, प्राकृतिक और दुर्लभ है, जिसे बेहद जिम्मेदारी से तैयार किया गया है।' स्टोर को जो बात सबसे खास बनाती है, वह है डायमंड डिस्कवरी वॉल, जो ग्राहकों को डी बीयर्स फॉरएवरमार्क की हीरे की उत्पत्ति से लेकर सकारात्मक प्रभाव तक के सफर से रूबरू कराती है, जिसे डी बीयर्स फॉरएवरमार्क के डायमंड्स ने पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता के तहत बनाए रखा है।

फ्रेंचाइज़ी पार्टनर, विकास कटारिया ने कहा, 'इंदौर शहर में इस दूसरे स्टोर के माध्यम से डी बीयर्स फॉरएवरमार्क के साथ अपनी सुदृढ़ साझेदारी स्थापित करना हमारे लिए गर्व का विषय है। डी बीयर्स फॉरएवरमार्क की टाइमलेस डिज़ाइन्स और हाई-क्वालिटी डायमंड्स न सिर्फ आकर्षक हैं, बल्कि अद्भुत भी हैं, और हमें विश्वास है कि इस स्टोर का कलेक्शन ग्राहकों को इससे जोड़े रखेगा। डी बीयर्स फॉरएवरमार्क हमेशा से ही जिम्मेदार सोर्सिंग के लिए प्रतिबद्ध है। डायमंड क्षेत्र में विशेषज्ञता और प्रत्येक डायमंड की असाधारण गुणवत्ता, ब्रांड की 135 से अधिक वर्षों की विरासत का प्रतीक है। हमें अपने ग्राहकों से डी बीयर्स फॉरएवरमार्क डायमंड्स के लिए खूब सराहना मिली है, जिसने हमें शहर में दूसरे स्टोर की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया है। पहले स्टोर में सॉलिटेयर रिंग की भारी माँग को देखते हुए, हमने सगाई और सालगिरह के लिए विशेष रूप से रिंग्स की अपनी खूबसूरत रेंज और कलेक्शन में वृद्धि की है। हम इंदौर शहर में लगातार ग्राहकों की पसंद के अनुरूप उत्कृष्ट डायमंड ज्वेलरी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' डी बीयर्स फॉरएवरमार्क की डायमंड ज्वेलरी का यह शानदार कलेक्शन यूजी 64, फीनिक्स सिटाडेल, एमआर 10 रोड, जंक्शन, इंदौर, मध्य प्रदेश 452016 में उपलब्ध है।

फ्लिपकार्ट ने पेश किया एक्सचेंज नाओ हैंडओवर लेटर प्रोग्राम

ग्राहकों को पुराने स्मार्टफोन के बदले सुविधाजनक और बैस्ट वैल्यू की पेशकश

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपना अनूठा एक्सचेंज नाओ हैंडओवर लेटर प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है जो ग्राहकों को उनके पुराने फोन की शानदार एकसचेंज कीमत दिलाने के अलावा अपना पुराना फोन सौंपने के लिए 10 दिनों की सहूलियत और फ्लिपकार्ट से नया फोन खरीदने की सुविधा भी दिलाएगा ग्राहक कहीं से भी खरीदे गए अपने पुराने स्मार्टफोन के बदले फ्लिपकार्ट पर नया फोन खरीद सकते हैं यह प्रोग्राम प्लेटफार्म पर देशभर में 15,000 पिनकोडों पर उपलब्ध होगा फ्लिपकार्ट का एक्सचेंज नाओ हैंडओवर लेटर प्रोग्राम किसी मार्केटप्लेस द्वारा शुरू किया गया पहला एक्सचेंज प्रोग्राम है जो ग्राहकों को नया फोन खरीदने के बाद अपना

पुराना फोन हैंडओवर करने के लिए 10 दिनों की सुविधा देता है। प्रोग्राम के बारे में आदर्श मेनन सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एंड हैड न्यू बिजनेसेज फ्लिपकार्ट ने कहा फ्लिपकार्ट में हम ग्राहकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए लगातार इनोवेटिव टैक आधारित सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने के लिए कोशिश करते हैं अब हम अपने एक्सचेंज नाओ हैंडओवर लेटर प्रोग्राम के जरिए ग्राहकों को अपने पुराने फोन सुरक्षित भरोसेमंद तथा पर्यावरण के लिहाज से जिम्मेदारी के साथ निपटाने का मौका देना चाहते हैं इस एक्सचेंज प्रोग्राम की सबसे खास बात यह है कि ग्राहक अपना नया फोन खरीदने के दस दिन बाद पुराना फोन लौटा सकते हैं तथा पुराने फोन को सौंपने के 48 घंटों के भीतर उन्हें उसकी एक्सचेंज वैल्यू का भुगतान मिल जाएगा हम अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ कीमत का लाभ दिलाने तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उनके पुराने फोन के मूल्यांकन में टैक्नोलॉजी आधारित सॉल्यूशंस की मदद लेंगे यह प्रोग्राम सर्कुलर इकनॉमी तैयार करने में मदद करने के साथ साथ पुराने फोन की रीसाइक्लिंग और ई-वेस्ट का जिम्मेदारी के साथ निपटान कर कार्बन फुटप्रिंट कम करने में मदद करेगा।

सीएफए इन्स्टीट्यूट ने सीएफए प्रोग्राम में महत्वपूर्ण सुधारों की घोषणा की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इन्वेस्टमेन्ट प्रोफेशनल्स के एक वैश्विक संघ सीएफए इन्स्टीट्यूट ने सीएफए प्रोग्राम को विकसित करने के अपने निरंतर प्रयासों के चलते इस प्रोग्राम में महत्वपूर्ण सुधारों की घोषणा की। ये परिवर्तन आज की पीढ़ी के कैंडिडेट्स के सीखने के तरीके को संबोधित करते हैं और उन्हें इस प्रोफेशन में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करते हैं साथ ही इंडस्ट्री में आवश्यक नैतिक प्रोफेशनल्स की कमी को पूरा करते हैं। मार्गरेट फ्रैंकलिन सीएफए प्रेजिडेन्ट एवं सीईओ सीएफए इन्स्टीट्यूट ने अपनी टिप्पणी में कहा इंडस्ट्री में ये सुधार हमारे कैंडिडेट्स व एम्पलॉयर्स के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं वास्तव में वर्ष 1963 में सीएफए प्रोग्राम के आरंभ होने के बाद से अब तक किया गया ये सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन है हमने बड़े पैमाने पर एम्पलॉयर्स, कैंडिडेट्स, संभाव्य कैंडिडेट्स, और इंडस्ट्री के लोगों से सीधे फीडबैक प्राप्त करने के लिए गहन रिसर्च की ताकि भविष्य के इन्वेस्टमेन्ट प्रोफेशनल्स को हमारे द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले ज्ञान और कौशल में प्रगति करने के सर्वोत्तम तरीकों को सूचित किया जा सके।

'हम यकीन के साथ कह सकते हैं कि जॉब मार्केट में बढ़त हासिल करने के लिए कैंडिडेट्स बेहद उत्सुक हैं और वे सीएफए प्रोग्राम द्वारा प्रदान किये जाने वाले लाभ के लिए कड़ा परिश्रम करने को तैयार हैं। ये परिवर्तन उनकी जरूरतों को पूरा करेंगे जो उन्हें यह समझाने में सहायक होगा कि इन्वेस्टमेन्ट कॉन्सेप्ट्स को कार्य पर किस प्रकार लागू किया जाए और शुरु से ही डेस्क-रेडी रहें। सीएफए प्रोग्राम स्पष्ट करता है कि कैंडिडेट्स इन्वेस्टमेन्ट मैनेजमेन्ट में एक लंबे व सफल करियर के बारे में गंभीर हैं। इन्वेस्टमेन्ट मैनेजमेन्ट इंडस्ट्री के लिए सीएफए इन्स्टीट्यूट इस सीएफए प्रोग्राम के माध्यम से 'फ्यूचर-रेडी टैलेन्ट पूल' विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इंडस्ट्री में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से परिवर्तन आया है और इन सुधारों का उद्देश्य इन्वेस्टमेन्ट मैनेजमेन्ट प्रोफेशनल?स को एक कदम आगे रखना है। इन सुधारों के साथ, सीएफए प्रोग्राम के कैंडिडेट्स और अधिक जॉब-रेडी होंगे, टेक्नोलॉजी का लाभ उठाना सीखेंगे, और विशिष्ट मार्केट सेगमेन्ट्स में विकासों के अनुरूप होंगे। इन परिवर्तनों में प्रोग्राम के पाठ्यक्रम को अधिक तेज और स्मार्ट बनाने के लिए सीखने के नये तरीकों को भी शामिल किया गया है। जैसा कि सीएफए इन्स्टीट्यूट की आरती पोरवाल, कन्ट्री हेड, भारत ने अपने वक्तव्य में बताया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।